www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाईलामा का...
3 पंजाब सरकार द्वारा 5 जुलाई को आई. आई. टी....
4 विद्यार्थी शहर में लाएं स्वच्छता की क्रांति, गीला...

वर्ष: 9 | अंक: 251 | दिल्ली, शनिवार, 5 जुलाई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सिविल लाइंस में अपने कार्यालय का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को सिविल लाइंस इलाके में राज निवास मार्ग पर अपने नए कैंप कार्यालय जन सेवा सदन का उद्घाटन किया। लोक निर्माण विभाग ने गुप्ता को एक ही मार्ग पर दो बंगले आवंटित किए हैं जिनमें से एक उनका आवास होगा और दूसरा उनका कार्यालय होगा। दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि जन सेवा सदन में मुख्यमंत्री जनसुनवाई करेंगी। मिश्रा ने यह भी दावा किया कि यह पहली बार है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री का कार्यालय जनता के लिए खोला जा रहा है। कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर हवन किया गया जिसमें गुप्ता और उनका परिवार शामिल हुआ। दूसरे बंगले में नवीनीकरण का कार्य जारी है जहां उनका आधिकारिक आवास होगा। वह अभी उत्तरी दिल्ली के शालीमार बाग में रहती हैं।

केरल में निपाह वायरस ने फिर दी दस्तक, दो केस मिले

केरल (एजेन्सी)। केरल में शुक्रवार को निपाह वायरस के दो संदिग्ध मामले सामने आने के बाद अलर्ट जारी किया गया। तीन जिलों में अलर्ट जारी किया गया है जिसमें कोझिकोड, मलप्पुरम और पलक्कड़ शामिल हैं। मलप्पुरम और कोझिकोड के मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में किए गए परीक्षणों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि निपाह वायरस के संदिग्ध मामले पलक्कड़ और मलप्पुरम जिलों से हैं। उन्होंने कहा कि केरल के तीन जिलों कोझिकोड, मलप्पुरम और पलक्कड़ में निपाह वायरस के दो नए मामलों के संबंध में अलर्ट जारी किया गया है। आगे की पुष्टि के लिए नमूने पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) को भी भेजे गए हैं। हालांकि अंतिम पुष्टि का इंतजार है, लेकिन सरकार ने अधिकारियों को वायरस के प्रसार को रोकने के लिए निवारक उपायों को मजबूत करने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रतिक्रिया के समन्वय के लिए जिलों में 26 समितियां बनाई गई हैं। संपर्क सूची तैयार करने के लिए पुलिस की मदद ली जाएगी और राज्य और जिला स्तर की हेल्पलाइन सक्रिय की जाएंगी। जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया गया है कि यदि आवश्यक हो तो कंटेनमेंट जोन घोषित करने की व्यवस्था करें। पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) देश की एकमात्र प्रयोगशाला है जो निपाह वायरस का कल्चर करती है।

प्रयास विफल हो सकते हैं, प्रार्थनाएं नहीं, कांग्रेस कार्यकर्ता मिलकर काम करें : शिवकुमार

कर्नाटक (एजेन्सी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सलाह और संदेश का पालन करते हुए पार्टी में सभी से मिलकर काम करने का आह्वान किया, हालांकि उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल होने के सवाल पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। शिवकुमार ने यहां चामुंडी पहाड़ियों की चोटी पर देवी चामुंडेश्वरी की पूजा करने के बाद कहा, प्रयास विफल हो सकते हैं, लेकिन प्रार्थना नहीं। पिछले कुछ समय से सियासी गलियारों, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री के संभावित बदलाव को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। अटकलों में सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला दिया गया है। सिद्धरमैया के पूरे पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले बयान पर शिवकुमार से पूछा गया कि क्या वे मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर हो गए हैं? इस पर उन्होंने कहा, मैं इस पर कोई चर्चा करना नहीं चाहता। मैं यहां राजनीति के बारे में बात करने नहीं आया हूं। मैं राज्य का भला चाहता हूं। मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस अध्यक्ष हैं, उन्होंने हमें संदेश और सलाह दी है। उनके शब्दों का पालन करते हुए, आइए हम सब मिलकर काम करें। शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से कहा कि उन्होंने अपने परिवार के साथ राज्य, अपने, अपने परिवार और सभी के कल्याण के लिए देवी चामुंडेश्वरी की पूजा की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिडाड और टोबैगो में सामुदायिक कार्यक्रम को किया संबोधित

त्रिनिडाड और टोबैगो में भारतीय समुदाय की यात्रा साहस से भरी हैः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने त्रिनिडाड और टोबैगो में भारतीय समुदाय के एक बड़े समूह को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में त्रिनिडाड और टोबैगो गणराज्य की प्रधानमंत्री महामहिम कमला प्रसाद-बिसेसर, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य, संसद सदस्य तथा कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में, प्रधानमंत्री का प्रवासी समुदाय द्वारा असाधारण गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया तथा उनका रंगारंग पारंपरिक भारतीय-त्रिनिडाडियन स्वागत किया गया।

त्रिनिडाड और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते हुए घोषणा की कि त्रिनिडाड और टोबैगो उन्हें अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिडाड और टोबैगो' प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री ने इस सम्मान के लिए उनके तथा त्रिनिडाड और टोबैगो के लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में त्रिनिडाड और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर को उनके गर्मजोशी भरे स्वागत करने और दोनों देशों के बीच जीवंत और विशेष संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि ऐसे समय में त्रिनिडाड और टोबैगो की उनकी ऐतिहासिक यात्रा, जब देश अपने तटों पर भारतीय प्रवासियों के पहले आगमन की 180 वीं वर्षगांठ मना रहा है, इसे और भी विशेष बनाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय प्रवासियों की उनके सुगम, सांस्कृतिक समृद्धि और त्रिनिडाड और टोबैगो में उनके अपार योगदान की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रशंसा करते हुए कहा कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासी अपनी भारतीय सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं को संरक्षित और पोषित करना जारी रखे हुए हैं। इन संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि अब त्रिनिडाड और टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड जारी किए जाएंगे। इस विशेष भाव का जोरदार तालियों से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी बल दिया कि भारत सरकार गिरमिटिया विरासत को पोषित करने के लिए कई पहलों का समर्थन करेगी।

■ अंतरिक्ष में भारत की सफलता वैश्विक भावना है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, विनिर्माण, हरित मार्गों, अंतरिक्ष, नवाचार और स्टार्ट-अप के क्षेत्र में भारत के तेजी से विकास और परिवर्तन का उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले एक दशक में भारत ने समावेशी विकास को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है और 250 मिलियन से अधिक लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया है। श्री मोदी ने भारत की विकास कहानी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश शीघ्र ही दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने बल देकर कहा कि आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस, सेमीकंडक्टर और क्वांटम कंप्यूटिंग पर राष्ट्रीय मिशन देश के विकास के नए संचालक बन रहे हैं।

इस भव्य कार्यक्रम में 4000 से अधिक लोगों ने भाग लिया और महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान और अन्य संगठनों के कलाकारों द्वारा एक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने लॉ इंटर्न से की बातचीत; दिल्ली विधानसभा के संवैधानिक विकास की दी जानकारी

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। संवैधानिक संतुलन तभी बना रहता है जब कोई भी संस्था दूसरी संस्था के कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेप न करे, यही संतुलन लोकतांत्रिक शासन का आधार है। यह वक्तव्य दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा परिसर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में देशभर के प्रमुख संस्थानों से आए लॉ इंटर्न को संबोधित करते हुए दिया। इस अवसर पर श्री गुप्ता ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र की सशक्तता राज्य की प्रत्येक संस्था की भूमिका और विशेषाधिकारों के सम्मान में निहित है। ये सभी लॉ इंटर्न, विधान शोध ब्यूरो द्वारा संचालित एक शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा आए थे।इस अवसर पर विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री मोहन सिंह बिष्ट भी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री गुप्ता ने दिल्ली विधान सभा के संवैधानिक विकास की ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि दिल्ली विधान सभा का गठन 17 मार्च 1952 को भाग सी राज्य शासन अधिनियम, 1951 के तहत हुआ था। इसके पश्चात, 1987 में गठित बालाकृष्णन समिति (सरकारिया समिति) की सिफारिशों के आधार पर दिल्ली में पुनः निर्वाचित विधान सभा की बहाली की दिशा में पहल की गई। इन सिफारिशों के परिणामस्वरूप भारत के संविधान में 1991 में 69वां संशोधन किया गया, जिसके अंतर्गत अनुच्छेद 239AA और 239AB जोड़े गए और दिल्ली विधान सभा की पुनः स्थापना हुई।

श्री गुप्ता ने अपने वक्तव्य का समापन करते हुए कहा कि प्रभावी विधायी कार्य तभी संभव है जब वह जनसंपर्क और उत्तरदायी शासन के मूल सिद्धांतों पर आधारित हो।

'दिल्ली में लगातार 9वें दिन संतोषजनक एयर क्वालिटी'

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। लगातार 9वां दिन है जब दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 'संतोषजनक' श्रेणी में दर्ज किया गया है। AQI स्तर 78 रहा, जो दर्शाता है कि दिल्ली की हवा साफ होने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि यह सुधार जमीन पर किए जा रहे कई स्तरों के प्रयासों का नतीजा है-जैसे कि लिगेसी वेस्ट की सफाई, सड़क धूल नियंत्रण, वाहन निगरानी, और जनता की भागीदारी। हम दिन-रात दिल्ली की हवा, जमीन और सड़कें साफ करने में जुटे हैं। हर दिन हो रही लैंडफिल की सफाई, हर स्वच्छ हवा वाला दिन इस बात का सबूत है कि हमारे संकल्प और मेहनत का असर हो रहा है,-पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा।

सिरसा ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित TERI मास्टर ट्रेनर्स वर्कशॉप को संबोधित किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य था लोगों में पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी की भावना जगाना और ऐसे मास्टर ट्रेनर्स तैयार करना जो समाज के हर वर्ग में सतत जीवनशैली और वन महोत्सव के तहत वृक्षारोपण का संदेश ले जा सकें।

इस कार्यशाला का मकसद सिर्फ जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि ऐसे प्रशिक्षक तैयार करना है जो इस पर्यावरण को बचाने के लिए जरूरी उपायों को समाज के हर कोने तक पहुंचा सकें, सिरसा ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि हम सिर्फ दिल्ली को साफ और सेहतमंद नहीं बना रहे-हम हर नागरिक को इस परिवर्तन का हिस्सा बना रहे हैं।

यह सभी समन्वित प्रयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित दिल्ली विजन से प्रेरित हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में धरातल पर तेजी से लागू हो रहे हैं। चाहे वह लैंडफिल हटाना हो, AQI सुधारना हो या जनभागीदारी को बढ़ावा देना-दिल्ली एक स्वच्छ, हरित और सशक्त राजधानी की ओर बढ़ रही है।

शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों ने बिखेरे संस्कृति के रंग

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। गुरुग्राम के मानेसर में आयोजित शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में वीरवार देर शाम भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, आरती सिंह राव सहित अन्य गणमान्य भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में अलग-अलग क्षेत्रों से आए कलाकारों ने कला और संस्कृति के रंग बिखेरे। सबसे पहले गंधर्व वाद्य संगीत के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। यह प्रस्तुति पंडित चेतन जोशी द्वारा निर्देशित की गई। इसमें उनका साथ अन्य कलाकारों ने दिया। यह प्रस्तुति हरियाणवी लोक एवं भारतीय वाद्य यंत्रों पर आधारित रही। इसमें वाद्य यंत्रों के माध्यम से गंधर्वों द्वारा बजाया जाने वाला संगीत प्रस्तुत किया गया। हरियाणवी लोक संस्कृति के साथ मिश्रण कर ज्यों ही स्वर लहरियां सभागार में गूंजी उन्होंने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में दूसरी प्रस्तुति हरियाणवी लोक नृत्य की रही। यह प्रस्तुति मोंटी शर्मा पार्टी द्वारा दी गई।

हरियाणवी कलाकारों ने देश भर से आए लोगों को अपनी प्रस्तुति से सम्मोहित कर दिया। सभागार में मौजूद लोगों ने जोरदार तालियों के साथ कलाकारों का अभिनंदन किया। इसके पश्चात अंतिम प्रस्तुति संजय शर्मा की पार्टी ने दी। कोरियोग्राफी की इस प्रस्तुति में कलाकारों ने भारत के रंग दिखाए।

सभागार में मौजूद हर शख्स ने तालियां बजाकर कलाकारों की हौसला अफजाई की। यह प्रस्तुतियां सूचना, लोक संपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के अंतर्गत आयोजित हुई।

संजीव अरोड़ा ने उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन और प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। संजीव अरोड़ा ने पंजाब सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन तथा प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इस अवसर पर उनके परिवार के सदस्य भी उनके साथ उपस्थित थे।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद श्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि वे अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा, लगन और ईमानदारी के साथ निभाएंगे और पंजाब के विकास व राज्यवासियों की भलाई के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इस अवसर पर पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. बलबीर सिंह, हरदीप सिंह मुंडियां, डॉ. बलजीत कौर, गुरमीत सिंह खुड़ियां, लालजीत सिंह भुल्लर, विधायक रुपिंदर सिंह हैप्पी, जसवंत सिंह गज्जण माजरा, नरेंद्र कौर भराज, प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी कमल किशोर यादव (आईएएस), अमित ढाका (आईएएस), सुरभि मलिक (आईएएस), सेनू दुग्गल (आईएएस), एएस राय (आईपीएस), राज्य सूचना आयुक्त हरप्रीत संधू और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने श्री संजीव अरोड़ा का स्वागत किया और उन्हें बधाई दीं।

शिवराज सिंह चौहान ने एसकेयूएएसटी-कश्मीर बागवानी उद्यान का दौरा किया, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों पर हितधारकों की बैठक आयोजित की

संजना भारती/पीआईबी

जम्मू-कश्मीर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, कश्मीर (एसकेयूएएसटी-के), शालीमार के बागवानी अनुसंधान एवं प्रदर्शन ब्लॉक का दौरा किया। जम्मू-कश्मीर की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान, केन्द्रीय मंत्री ने बागवानी में जमीनी स्तर पर हो रहे नवाचारों की समीक्षा की और बाद में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के प्रमुख हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया।

एसकेयूएएसटी-कश्मीर परिसर की अपनी यात्रा के दौरान, श्री शिवराज सिंह चौहान को घाटी में लागू की जा रही बागवानी में हो रही वैज्ञानिक प्रगति के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने वृक्षारोपण के पहले वर्ष के भीतर फल देने में सक्षम सेब की एक उच्च उपज वाली किस्म की समीक्षा की, जिससे ऑर्चर्ड उत्पादकता के लिए गेस्टेशन की अवधि काफी कम हो गई। उन्होंने ओलावृष्टि से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए बनाई गई सुरक्षात्मक जाल प्रणालियों, छंटाई के वैज्ञानिक तरीकों और उपज एवं आय में सुधार के लिए अपनाई गई कुशल जल और पोषक तत्व प्रबंधन तकनीकों का भी अवलोकन किया। जिन उत्पादकों ने इन आधुनिक पद्धतियों को अपनाया है, उन्होंने श्री शिवराज सिंह चौहान के साथ अपने अनुभव साझा किए और हाल के वर्षों में प्राप्त उत्पादन में वृद्धि और आय में स्थिरता के बारे में बात की। श्री शिवराज सिंह चौहान ने देश के विभिन्न भागों से एसकेयूएएसटी-कश्मीर में अध्ययन के लिए आए छात्रों से भी बातचीत की। छात्रों ने सेब, खुबानी, अखरोट, बादाम और जामुन सहित बागवानी उत्पादों का प्रदर्शन किया, साथ ही सेब को छह महीने से अधिक समय तक संरक्षित रखने के लिए कोल्ड स्टोरेज जैसे फसलोत्तर नवाचारों का भी प्रदर्शन किया। श्री चौहान ने छात्रों के नेतृत्व वाले प्रयासों की सराहना की और एसकेयूएएसटी-कश्मीर के कृषि शिक्षा और नवाचार के एक जीवंत केंद्र के रूप में उभरने का उल्लेख किया। क्षेत्र के दौरे के बाद श्री चौहान ने किसानों, मधुमक्खी पालकों, कोल्ड स्टोरेज मालिकों और नर्सरी ऑपरेटरों सहित सभी कृषि मूल्य श्रृंखला के हितधारकों के साथ विस्तृत बातचीत की। इस बातचीत ने क्षेत्र में अवसरों और चुनौतियों दोनों पर खुले संवाद के लिए एक मंच प्रदान किया। उपस्थित लोगों ने किसानों के कल्याण के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की और विकास जम्मू-कश्मीर के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण, पारंपरिक स्थानीय उपज की जीआई टैगिंग, सब्सिडी और किसानों को दी जाने वाली सहायता और एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के माध्यम से उच्च घनत्व वाले वृक्षारोपण को बढ़ावा देने सहित कई प्रमुख पहलों की सराहना की।

बैठक में प्रतिभागियों ने कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। केसर उत्पादकों ने सिंचाई सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और 128 बोरवेल के उचित उपयोग का अनुरोध किया। उन्होंने अपनी फसलों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार करने और विशेष रूप से ईरान के केसर के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उन्नत अनुसंधान और संस्थागत समर्थन की भी मांग की।

स्वराज की रक्षा करने की जिम्मेदारी अब 140 करोड़ भारतीयों पर है: अमित शाह

(एजेन्सी)।

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत के सशस्त्र बल और नेतृत्व 'स्वराज' या देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह बहुत अच्छे ढंग से प्रदर्शित हुआ। पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में मराठा राजनेता और जनरल पेशवा बाजीराव प्रथम की घुड़सवार प्रतिमा के अनावरण के बाद बोलते हुए, भाजपा नेता ने यह भी कहा कि जब भी वह नकारात्मक विचारों से ग्रस्त होते हैं, तो उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज और बाजीराव की याद आती है।

शाह ने कहा कि एनडीए बाजीराव के स्मारक के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है क्योंकि यह एक ऐसा संस्थान है जहां सैन्य नेतृत्व को प्रशिक्षित किया जाता है। शाह ने कहा कि पुणे की धरती स्वराज के संस्कार का उद्गम स्थान है। 17वीं शताब्दी में यहीं से स्वराज का आलेख देशभर में पहुंचा। जब अंग्रेजों के सामने फिर से स्वराज के लिए लड़ने का समय आया तो सबसे पहले सिंह गर्जना तिलक महाराज ने की झ 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।' एक व्यक्ति अपने जीवन में अपने देश के लिए कितना कर सकता है, इसका उदाहरण भी महाराष्ट्र की पुण्यभूमि से ही वीर सावरकर जी ने प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के प्रमुख जहाँ से अभ्यास करके निकलते हैं, उस नेशनल डिफेंस अकादमी में श्रीमंत बाजीराव की मूर्ति लगने से जो प्रेरणा मिलेगी, उससे भारत की सीमाओं को कोई छू नहीं पाएगा।

सम्पादकीय

भविष्य के युद्धों के लिए तैयार होती भारतीय सेना

वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद से ही भारत अपनी सेनाओं को आत्मनिर्भर, स्वदेशी तकनीक से समृद्ध, सुदृढ़ व सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। भारतीय सेना को भविष्य की रक्षा चुनौतियों लिए इस प्रकार तैयार किया जा रहा है कि भूमि से लेकर वायु और समुद्र की गहराई से लेकर अंतरिक्ष की ऊंचाईयों तक अपनी सुरक्षा के लिए किसी अन्य पर निर्भर न रहना पड़े। आज अति आधुनिक ड्रोन से लेकर अविश्वसनीय मारक क्षमता वाली मिसाइलों तक का निर्माण भारत में किया जा रहा है। विगत दिनों ईरान-इजराइल के मध्य संघर्ष के बीच ईरान के शक्तिशाली व मजबूत परमाणु संयंत्रों को नष्ट करने की क्षमता न होने के कारण इजराइल को भी अमेरिका की शरण में जाना पड़ा था। ऐसी ही परिस्थितियों से बचने के लिए भारत अब बंकर ब्लास्टर बम बनाने की दिशा में भी अग्रसर है। वर्तमान समय में कुछ ही राष्ट्रों के पास बंकर ब्लास्टर जैसी सुविधा उपलब्ध है और जब भारत भी उस श्रेणी में आ जाएगा। जब भारत का यह स्वदेशी बंकर ब्लास्टर बम बनकर तैयार हो जाएगा तब हमारी अग्नि-5 मिसाइल दुश्मन के मजबूत ठिकानों और तहखानों को मिनटों में ध्वस्त करके वापस चली आएगी। भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं संगठन अग्नि 5 मिसाइल के दो नये एडवांस प्रारूप विकसित कर रहा है जिसमें प्रथम प्रारूप बंकर ब्लास्टर वॉरहेड या विस्फोटक ले जाने वाला होगा जो जमीन के भीतर 80 से 100 मीटर तक जाकर दुश्मन के ठिकानों को ध्वस्त करेगा जबकि दूसरा प्रारूप विस्फोटक ले जाने वाला होगा। ये दोनों ही प्रारूप दुश्मन के डिफेंस सिस्टम, न्यूक्लियर सिस्टम, रडार सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और हथियार डिपो को ध्वस्त करके वापस लौट आएंगे। अग्नि-5 बंकर ब्लास्टर मिसाइल जमीन, सड़क और मोबाइल लांचर से दागी जाएगी। अग्नि-5 भारत की एक ऐसी मिसाइल है जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक निशाना लगा सकती है। इसकी रेंज 5 से 7 हजार किमी तक है ये परमाणु हथियार भी ले जा सकती है। भारत का बंकर ब्लस्टर बम अमेरिकी बम से भी अधिक क्षमतावान बनाया जा रहा है भारत की बंकर ब्लस्टर मिसाइल अमेरिकी बम से अधिक गहराई तक निशाना लगा सकती है। भारत को चीन और पाकिस्तान से पैदा हुए खतरे को देखते हुए ही इस प्रकार की मिसाइल का निर्माण किया जा रहा है। भारतीय नौसेना को मिला तमाल- इसी प्रकार ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस अब तक का सबसे घातक अत्याधुनिक स्टील्थ युद्धपोत आईएनएस तमाल अब भारतीय नौसेना में शामिल हो गया है जिसके कारण अब समुद्र में भी भारत की ताकत बढ़ गई है। इस बहुउद्देशीय अतिआधुनिक युद्धपोत का जलावतरण रूस के कैलिनिनग्राद में हुआ। नौसेना के पश्चिमी बेड़े में शामिल यह युद्धपोत हिंद सागर में तैनात होगा और पाकिस्तान से लगती सीमा पर निगरानी में भारत की सबसे बड़ी ताकत बन जायेगा। तमाल युद्धपोत विगत दो दशकों में रूस से प्राप्त क्रिवाक श्रेणी के युद्धपोतों की श्रृंखला में आठवां युद्धपोत है। यह पूर्ववर्ती संस्करणों की तुलना में अधिक उन्नत है। इसमें लंबवत प्रक्षेपित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें उन्नत 100 मिलीमीटर की तोप, मानक 30 मिलीमीटर गन क्लोज -इन हथियार प्रणाली के अलावा आधुनिक समय की प्रणाली अत्यधिक भार वाले टारपीडो तत्काल हमला करने वाले पनडुब्बी रोधी, रॉकेट और अनेक निगरानी एवं अग्नि नियंत्रण रडार तथा अन्य प्रणालियां शामिल हैं। युद्धपोत का नाम तमाल देवताओं के राजा इंद्र की पौराणिक तलवार से लिया गया है। इसकी मारक क्षमता भी उसी तरह तेज, आक्रामक और निर्णायक है। इसका शुभंकर भारतीय पौराणिक कथाओं के अमर भालू जाम्बवंत और रूसी राष्ट्रीय पशु यूरेशियन भूरे भालू की समानता से प्रेरित है। तमाल युद्धपोत का निर्माण रूस के कैलिनिनग्राद स्थित यांतर शिपयार्ड में हुआ है और इसमें 26 प्रतिशत स्वदेशी उपकरण हैं। सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह आखिरी युद्धपोत है जो विदेश में बना है अब ऐसा कोई भी युद्धपोत भारत में ही बनेगा जिसके बाद भारत की नौसेना की शक्ति और बढ़ जाएगी। इस युद्धपोत के कुशल संचालन व रखरखाव के लिए 250 नौसेना कर्मियों ने रूस में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। यह बहु मिशन युद्धपोत भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारंपरिक और गैर पारंपरिक दोनों तरह के खतरों से निपटने में सक्षम है। भारत की नौसेना को एक और स्वदेशी युद्धपोत उदयगिरि का उपहार भी मिला है। इस युद्धपोत में सुपरसोनिक सतह से सतह से मार करने वाली प्रणाली लगी है। इसमें 76 मिमी गन, 30 मिमी और 12.7 मिमी की रैपिड फायर गन सहित डीजल इंजन और गैस टर्बाइन युक्त सीओडीजी प्रणाली है। इस 3900 टन वजनी और 125 मीटर लंबे युद्धपोत में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें लैस हैं। यह देनों ही युद्धपोत भारत की समुद्री सीमा की सुरक्षा में प्रमुख भूमिका निभाने वाले हैं। स्त्रोत: प्रभासाक्षी

जयंती

रामविलास पासवान

जन्म-5 जुलाई, 1946, खगरिया, बिहार; मृत्यु-8 अक्टूबर, 2020, नई दिल्ली) लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष थे। वे भारतीय दलित राजनीति के प्रमुख नेताओं में से एक रहे। 17वीं लोकसभा में उन्हें उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया था। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार में रामविलास पासवान केन्द्रीय मंत्री थे। अगस्त, 2010 में वे बिहार राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित हुए और कार्मिक तथा पेंशन मामले और ग्रामीण विकास समिति के सदस्य बनाए गए।

पुण्यतिथि

अनुग्रह नारायण सिंह

जन्म: 18 जून ,1887; मृत्यु: 5 जुलाई, 1957) भारतीय राजनेता और बिहार के पहले उप मुख्यमंत्री, सह वित्तमंत्री (1946-1957) थे। अनुग्रह बाबू (1887-1957) भारत के स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक, वकील, राजनीतिज्ञ तथा आधुनिक बिहार के निर्माता रहे थे। उन्हें 'बिहार विभूति' के रूप में जाना जाता था। वह स्वाधीनता आंदोलन के योद्धा थे। स्वाधीनता के बाद राष्ट्र निर्माण व जनकल्याण के कार्यो में उन्होंने सक्रिय योगदान दिया। अनुग्रह बाबू ने महात्मा गांधी एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के साथ राष्ट्रीय आन्दोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी।

कल मिलेंगे

पति-क्या तुम जानती हो दुनिया में सबसे ज्यादा शरीफ कौन है?
पत्नी-दुनिया में सिर्फ वही लोग शरीफ हैं...
जिनके मोबाइल में पासवर्ड नहीं है.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाईलामा का उत्तराधिकारी कौन होगा, इसमें दुनिया को मंजूर नहीं है चीनी दखल!

-कमलेश पांडेय

> दलाई लामा के इस बयान के सामने आने के बाद से ही चीन से लेकर भारत और अमेरिका तक हलचल मच गई है। यह बयान देकर दलाई लामा ने इस अनिश्चितता को समाप्त कर दिया कि उनके बाद उनका कोई उत्तराधिकारी होगा या नहीं। हालांकि, अपने बयान से दलाई लामा ने चीन के साथ नए सिरे से टकराव की स्थिति पैदा कर दी है

चीन ने पहले भारतीय भूभाग रहे स्वायत्त प्रदेश तिब्बत पर अवैध कब्जा किया और अब वह चाहता है कि तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाईलामा का भावी उत्तराधिकारी कौन होगा, यह फैसला भी रिपब्लिक ऑफ चाइना की सहमति और स्वीकृति से ही तय हो। लेकिन मौजूदा दलाईलामा, भारत और अमेरिका के अलावा बहुतेरे देशों को दलाईलामा के चयन में चीनी दखल मंजूर नहीं है। इसके पीछे उसका दुस्साहसी नेतृत्व भी जिम्मेदार है जो शुरू से ही तिब्बतियों के जनाधिकार को, मानवाधिकार को कुचलता आया है।

यही वजह है कि आए दिन बदलते भूराजनीतिक समीकरणों के बीच दलाईलामा के उत्तराधिकार के मसले पर भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसे में सवाल उठता है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुने जाने का इतिहास क्या है? आखिर मौजूदा दलाई लामा को कैसे चुना गया था? वहीं, अब अगले दलाई लामा को चुने जाने की प्रक्रिया क्या हो सकती है? इसमें चीन की क्या आपत्तियां हैं? भारत और अमेरिका की अगले दलाई लामा को चुनने में क्या भूमिका हो सकती है? उल्लेखनीय है कि दलाई लामा 1959 से भारत में निर्वासन में रह रहे हैं। जब चीन के शासन के खिलाफ विद्रोह हुआ था तो वह वहां से भारत आ गए थे।

दरअसल, दलाई लामा को दुनिया भर में अहिंसा, करुणा और तिब्बती लोगों की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान की रक्षा के संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखा जाता है जबकि बीजिंग उन्हें अलगाववादी बताता है। इसलिए दलाई लामा के उत्तराधिकार को लेकर दुनिया भर में हलचल है। खुद तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने पुष्टि की है कि उनके उत्तराधिकारी का चयन होगा। इसी के साथ यह तय हो गया है कि सैकड़ों वर्षों से चली आ रही तिब्बती बौद्धों की सर्वोच्च धर्मगुरु को चुनने की परंपरा आगे भी जारी रहेगी और भविष्य में नए दलाई लामा के नाम का एलान होगा।

मौजूदा दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो उर्फ ल्हामा थोंडुप के कार्यालय ने उनके हवाले सेवगत बुधवार को जारी एक बयान में कहा था, भविष्य के दलाई लामा को मान्यता देने की प्रक्रिया 24 सितम्बर 2011 के बयान में स्पष्ट रूप से स्थापित की गई है। इसमें कहा गया है कि ऐसा करने की जिम्मेदारी केवल गादेन फोडरंग ट्रस्ट के सदस्यों पर होगी। जबकि परंपरागत रूप से दलाई लामा का चयन वर्तमान लामा की मृत्यु के बाद पुनर्जन्म के सिद्धांत के आधार पर होता है।

दरअसल, दलाई लामा के इस बयान के सामने आने के बाद से ही चीन से लेकर भारत और अमेरिका तक हलचल मच गई है। यह बयान देकर दलाई लामा ने इस अनिश्चितता को समाप्त कर दिया कि उनके बाद उनका कोई उत्तराधिकारी होगा या नहीं। हालांकि, अपने बयान से दलाई लामा ने चीन के साथ नए सिरे से टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। दरअसल, उनका कहना है कि उनका उत्तराधिकारी चीन के बाहर पैदा होगा और अगर बीजिंग में उनके उत्तराधिकारी के चयन की कोशिश की जाती है तो उस व्यक्ति को अस्वीकार किया जाए।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार बताते हैं कि इसमें कुछ भी अप्रत्याशित नहीं है, क्योंकि भारत शुरू से ही तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। यही वजह है कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए एक सख्त संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर अब उसकी मनमानी नहीं चलेगी। उनके बयानों से स्पष्ट है कि यह 1962 का भारत नहीं है, बल्कि 2025 तक वह कई मामलों में चीन का मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरा है।

मौजूदा नौबत इसलिए आई कि 14वें दलाई लामा ने अपने वर्तमान पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी "गादेन फोडरंग ट्रस्ट" को दे दी है। साथ ही उन्होंने कहा भी है कि अगले दलाई लामा के चुनाव के मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। इसका मतलब साफ है कि उनका इशारा चीन की ओर था। यही वजह है कि रिजिजू ने भी उनकी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन का इस बारे में कहना है कि दलाईलामा के उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए।

भारत शुरू से ही दलाई लामा के साथ है, क्योंकि उनकी ताकत बहुत ज्यादा है। देखा जाए तो तिब्बत के लिए दलाई लामा केवल धार्मिक गुरु नहीं हैं, बल्कि वह उसकी सांस्कृतिक पहचान, उसके वजूद और उसके ताकत के केंद्र हैं। यही वजह है कि साल 1959 में जब उन्हें कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं। अब भले ही चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर, लेकिन गुजश्ते वक्त के साथ बदला हुआ भारत प्रारंभ से ही तिब्बत के साथ है। ऐसे में यदि तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा और भारत के बीच का अटूट विश्वास। साम्राज्य वादी चीन भी इसे समझता है और इसी वजह से वह इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है, ताकि उसके कथित आंतरिक मामले में भारत की दाल ज्यादा नहीं गल सके।

बदलते वैश्विक परिवेश में दलाईलामा के विचारों का भू-राजनीतिक असर स्वाभाविक है। ऐसा इसलिए कि चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। इसी कड़ी में दलाई लामा के पद पर दावा उसकी ओर से ऐसी ही एक और अदद कोशिश भर है। उसकी वजह से ही यह मामला धर्म से आगे बढ़कर जियो-पॉलिटिक्स का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। वहीं, भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। लेकिन दुनिया के सबसे ऊंचे पठार और उसपर अवस्थित संसार के सबसे ऊंचे युद्ध स्थल से जुड़े सामरिक दृष्टिकोण को भारत भला कैसे विस्मृत कर सकता है। वो भी तब जब 1962 में आमने-सामने की लड़ाई के बाद लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, नेपाल, भूटान और अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर जब तब दोनों देशों के बीच चूहे-बिल्ली का खेल चलता आया हो। इतना ही नहीं, भारत के पड़ोसी देशों में बढ़ते चीनी दखल और उसके पाकिस्तान-बंगलादेश प्रेम के मद्देनजर तिब्बत प्रसंग भारत के लिए भी चीन पर दबाव डालने का मौका है।

सच कहा जाए तो चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है। नई दिल्ली-पेइचिंग के बीच गहरे तनाव का एक कारण यह भी है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी जब तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन इसमें भारत के लिए मौका भी है। क्योंकि वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह पर अमेरिकी इशारे पर भारत की राह में रोड़े अटकाने में लगा है।

उल्लेखनीय है कि दलाई लामा का उत्तराधिकार केवल धार्मिक नहीं, बल्कि वैश्विक भू-राजनीति का एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। 1951 में तिब्बत पर चीन के कब्जे के बाद से, बीजिंग ने तिब्बती बौद्ध धर्म को नियंत्रित करने का प्रयास किया है। 1995 में, जब दलाई लामा ने गेधुन चोएक्यी न्यिमा को 11वें पंचेन लामा (तिब्बती बौद्धों के दूसरे सर्वोच्च धर्मगुरु) के रूप में मान्यता दी, तो चीन ने उस बच्चे को हिरासत में ले लिया, जिसका ठिकाना आज तक अज्ञात है। इसके बजाय, चीन ने अपने चुने हुए पंचेन लामा को स्थापित किया, जिसे तिब्बती समुदाय ने अस्वीकार कर दिया। इसलिए भारत और अमेरिका दोनों के लिए दलाई लामा के उत्तराधिकारी का मुद्दा अहम है। भारत के लिए इसलिए कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग की कमान में चीनी सेना लंबे समय तक तिब्बत पर कब्जे की कोशिश में जुटी रही। इसके खिलाफ जब दलाई लामा के नेतृत्व में तिब्बती बौद्धों ने आवाज उठाई तो चीनी सेना ने इसे बर्बरता से कुचल दिया। इसके बाद 1959 में चीन के तिब्बत पर कब्जा करने के बाद दलाई लामा तिब्बतियों के एक बड़े समूह के साथ भारत आ गए और यहां से ही तिब्बत की निर्वासित सरकार का संचालन करने लगे। तब तिब्बत में घटी इस घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तब से दलाई लामा ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला को अपना घर बना लिया, जिससे बीजिंग नाराज हो गया और वहां उनकी उपस्थिति चीन और भारत के बीच विवाद का विषय बनी रही। भारत में इस वक्त करीब 1 लाख से ज्यादा तिब्बती बौद्ध रहते हैं, जिन्हें पूरे देश में पढ़ाई और काम की स्वतंत्रता है। दलाई लामा को भारत में भी काफी सम्मान दिया जाता है।

वहीं, अमेरिका के लिए भी तिब्बती धर्मगुरु के चयन का मुद्दा काफी अहम है। कहा जाता है कि दूसरे विश्व युद्ध के अंत के बाद जब शीत युद्ध अपने शुरूआती चरण में था, तब अमेरिका की विदेश मामलों की खुफिया एजेंसी- सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) ने चीनी कब्जे के खिलाफ तिब्बत के प्रतिरोध में सहायता की थी। दलाई लामा के तिब्बत छोड़ने और भारत में बसने के बावजूद अमेरिका ने निर्वासित तिब्बती सरकार की मदद नहीं छोड़ी है। अमेरिका में तिब्बती बौद्धों की धार्मिक स्वायत्तता को लेकर डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी दोनों ही मुखर रही हैं। इतना ही नहीं अमेरिकी सरकार अगले दलाई लामा के चयन में चीन के दखल को भी अमान्य करार देती आई है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कर्नाटक में कांग्रेस राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ वाली गलती दोहरा रही है

-नीरज कुमार दुबे

> कांग्रेस विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों को भी एकजुट रख पाने में विफल रही है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि केरल और हरियाणा में पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का सरकार में आना तय माना जा रहा था लेकिन अपने ही नेताओं के आपसी झगड़ों की बदौलत पार्टी सत्ता से बहुत दूर रह गयी थी। इससे साबित होता है कि कांग्रेस को हमेशा अपनों ने ही लूटा है लेकिन फिर भी पार्टी गलतियों से सीख लेने को तैयार नहीं है

कर्नाटक में कांग्रेस ने 2023 के विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की थी। यह जीत केवल भाजपा को सत्ता से हटाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके साथ ही कांग्रेस ने यह संदेश भी दिया था कि यदि पार्टी एकजुट और ठोस नेतृत्व के साथ मैदान में उतरे तो वह भाजपा को घेर सकती है। लेकिन अब, कर्नाटक में कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान और लगातार सार्वजनिक रूप से सामने आने वाले मतभेदों ने सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या कांग्रेस यहां पर वही गलती दोहरा रही है जो उसने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में की थी?

हम आपको याद दिला दें कि राजस्थान में अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट का विवाद कांग्रेस के लिए दीर्घकालिक सिरदर्द बना रहा था। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच सत्ता-साझेदारी को लेकर विवाद लगातार सामने आता रहा था। ऐसा ही वाकया मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया और कमलनाथ के बीच देखने को मिला था। ज्योतिरादित्य भाजपा में चले गये थे जिससे कमलनाथ की सरकार बीच में ही गिर गयी थी। तीनों ही राज्यों में मतभेद पार्टी मंच के बजाय मीडिया में उछलते रहे, जिससे भाजपा को सत्ता में आने का मौका मिल गया। इसी तरह कर्नाटक में भी देखने को मिल रहा है कि आलाकमान द्वारा समय रहते निर्णायक कदम नहीं उठाने के कारण टकराव बढ़ते जा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि कर्नाटक में कांग्रेस की जोरदार जीत के बाद से ही यह स्पष्ट था कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे। समझौते के तहत सिद्धारमैया को 5 साल के लिए मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन शिवकुमार खेमा इसे अंदर ही अंदर चुनौती दे रहा है। कर्नाटक में मंत्रिमंडल विस्तार की बात हो चाहे प्रशासनिक निर्णयों की बात हो या फिर रणनीतिक घोषणाओं की बात हो, सभी मामलों में दोनों नेताओं के बीच मतभेद लगातार उजागर होते रहते हैं। इसके अलावा, कांग्रेस के विधायक और मंत्री भी खुलेआम एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। डीके शिवकुमार के समर्थक अक्सर उन्हें "भावी मुख्यमंत्री" कहकर प्रचारित करते हैं जो सिद्धारमैया समर्थकों को असहज करता है और इसके चलते दोनों ओर से बयानबाजी शुरू हो जाती है।

हम आपको बता दें कि देश में सिर्फ तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है और देखने में आ रहा है कि तीनों जगह पार्टी में कलह है। कर्नाटक के साथ ही हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में भी कांग्रेस नेता आपस में भिड़े हुए हैं लेकिन कर्नाटक की कलह कुछ ज्यादा ही उजागर हो रही है। यही नहीं, कर्नाटक के विवाद को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा हाईकमान पर टालना दशार्ता है कि उनके हाथ में कुछ नहीं है और सब कुछ ऊपर से ही मैनेज हो रहा है, तभी इस प्रकार का टकराव बना हुआ है। देखा जाये तो कांग्रेस इस समय देश में मुख्य विपक्षी पार्टी है इसलिए सवाल उठता है कि जब वह अपना घर ही नहीं संभाल पा रही तो देश में मजबूत विपक्ष की भूमिका कैसे निभा पायेगी?

कांग्रेस विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों को भी एकजुट रख पाने में विफल रही है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि केरल और हरियाणा में पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का सरकार में आना तय माना जा रहा था लेकिन अपने ही नेताओं के आपसी झगड़ों की बदौलत पार्टी सत्ता से बहुत दूर रह गयी थी। इससे साबित होता है कि कांग्रेस को हमेशा अपनों ने ही लूटा है लेकिन फिर भी पार्टी गलतियों से सीख लेने को तैयार नहीं है। उधर, कर्नाटक में कांग्रेस के दोनों धुरंधर नेताओं के समीकरणों पर गौर करें तो आपको बता दें कि अत्यंत पिछड़े कुरबा समुदाय से आने वाले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया बड़े जनाधार वाले नेता हैं। वह सोशल इंजीनियरिंग के मास्टर हैं और उन्हें पता है कि चुनावों में भाजपा के जातिगत समीकरणों को कैसे बिगाड़ना है।

वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार आर्थिक-सामाजिक रूप से संपन्न वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। वह पुराने कांग्रेसी हैं, गांधी परिवार के विश्वस्त हैं और धनबल, बाहुबल के खिलाड़ी हैं। कई विधायक भी उनके साथ हैं लेकिन हाईकमान हर बार सिद्धारमैया के सिर पर हाथ रख देता है इसलिए उन्होंने हाल ही में कहा भी है कि मेरे पास समर्थन करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। कर्नाटक में एक बात और देखने को मिल रही है कि यहां कांग्रेस की गलतियों की वजह से मामला पेचीदा होता जा रहा है। दरअसल असंतुष्टों पर ना तो कांग्रेस कोई कार्रवाई कर रही है ना ही उन्हें राजनीतिक रूप से कहीं समायोजित कर रही है। ऐसे में विधायकों का धैर्य जवाब दे रहा है। कर्नाटक में स्थिति यह है कि सत्तारुढ़ दल का हर विधायक मुख्यमंत्री बनना चाहता है इसलिए भी पार्टी के लिए हालात को संभालना मुश्किल होता जा रहा है।

इसके अलावा, कर्नाटक में कांग्रेस की 'गारंटी योजनाएं' चुनाव जिताने में तो सहायक रहीं, लेकिन अब उनके क्रियान्वयन में वित्तीय संकट और प्रशासनिक गड़बड़ियाँ भी सामने आ रही हैं। सत्तारुढ़ दल के विधायक ही कह रहे हैं कि हमें हमारे क्षेत्र के विकास के लिए फंड नहीं मिल रहा। इस सब स्थिति के बीच भाजपा चुपचाप कर्नाटक में खुद को मजबूत करने और सामाजिक समीकरणों को सहेजने में लगी है ताकि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में अपना प्रदर्शन सुधारा जा सके। बहरहाल, कर्नाटक की राजनीति में अक्सर नये नाटक होते रहते हैं इसलिए देखना होगा कि फिलहाल विधायकों से बातचीत के बाद कांग्रेस ने राज्य में 'ऑल इज वेल' का जो दावा किया है वह स्थिति कब तक बनी रहती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

चीन-तुर्की पर भारत का सबसे बड़ा खुलासा, पाकिस्तान की तो हो गई सिट्टी-पिट्टी गुम!

(एजेन्सी)।

फिक्की के एक कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह जो उप सेना प्रमुख हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बेहद अहम जानकारियां देश से साझा की हैं। उन्होंने कहा है कि भारत के सामने केवल एक नहीं बल्कि तीन से चार दुश्मन थे और जिसमें सबसे आगे पाकिस्तान था। उन्होंने ये भी कहा कि चीन ने पाकिस्तान को एक टेस्ट लैब के तौर पर इस्तेमाल किया और उसे आगे कर दिया। इतना ही नहीं भारतीय सेना की तरफ से चीन का नाम तो लिया ही गया, इसके अलावा तुर्किए का भी नाम लिया गया। तुर्किए के बैरिख्तर ड्रोन और लॉजिस्टिकल सपोर्ट के अलावा ट्रेंड टेक्निशियन की मौजूदगी को लेकर उप सेना प्रमुख ने जोर देकर बताया है कि किस तरह से इस युद्ध के दौरान चीन और तुर्किए पाकिस्तान की मदद कर रहे थे। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने चीन की 36 चालों की प्राचीन सैन्य रणनीति और उधार के चाकू से दुश्मन को मारने की रणनीति का उल्लेख करते हुए इस बात पर जोर दिया कि बीजिंग ने भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए पाकिस्तान को हरसंभव समर्थन दिया। उधार के चाकू से मारने का मतलब है कि दुश्मन को पराजित करने के लिए किसी तीसरे पक्ष का इस्तेमाल करना, अर्थात, चीन ने पाकिस्तान को भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि भारत वास्तव में तीन शत्रुओं का सामना कर रहा था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और चीन के अलावा तुर्किये भी इस्लामाबाद को सैन्य साजो-सामान की आपूर्ति में प्रमुख भूमिका निभा रहा था। भारतीय सेना के क्षमता विकास और संधारण संबंधी कार्य देखने वाले उप सेना प्रमुख ने कहा कि इस्लामाबाद को बीजिंग का समर्थन आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि पाकिस्तानी सशस्त्र बलों का 81 प्रतिशत सैन्य साजोसामान चीन से आता है।

असम में निवेश के अवसर, चाय व्यापार, पर्यटन की संभावनाओं को न्यूयॉर्क में किया गया प्रदर्शित

(एजेन्सी)।

असम के व्यापार और पर्यटन की संभावनाओं में निवेश के अवसरों को न्यूयॉर्क में उद्योग जगत के लोगों के समक्ष पेश किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस दौरान असम चाय पर एक विशेष बी2बी (व्यापार से व्यापार) क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित की गई। अमेरिका के शहर न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने आधिकारिक खाते पर दोनों कार्यक्रमों की मेजबानी करने की जानकारी दी। उसने लिखा, न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने असम में व्यापार एवं निवेश के अवसरों पर अमेरिका-भारत सामरिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के साथ गोलमेज सम्मेलन की मेजबानी की। अमेरिका-भारत सामरिक साझेदारी मंच, एक गैर-सरकारी संगठन है जो भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी बनाने की दिशा में काम कर रहा है। एक्स पर दी जानकारी के अनुसार, असम के मुख्य सचिव रवि कोटा और महावाणिज्य दूत बिनया एस. प्रधान ने बैठक में उद्योग जगत के लोगों के साथ अपने विचार साझा किए। इसमें कहा गया, कार्यक्रम में व्यापार, पर्यटन और निवेश में असम की अपार संभावनाओं पर बात की गई।

इसमें शेफ विकास खन्ना को बैठक में शामिल होने और अपने विचार साझा करने के लिए धन्यवाद दिया गया। एक्स पर जानकारी दी गई, असम चाय के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने अमेरिका के प्रमुख चाय खरीदारों के साथ असम चाय के प्रमुख उत्पादकों एवं आपूर्तिकताओं के लिए बैठक आयोजित की। कोटा और वाणिज्य दूत (व्यापार) ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और असम चाय की विशेषताओं और विवरण की जानकारी दी।

1 लाख करोड़ से अधिक के खतरनाक हथियार खरीदेगा भारत

(एजेन्सी)।

बढ़ते क्षेत्रिए तनाव, चीन की आक्रमक गतिविधियों और पाकिस्तान की सीमा पार की साजिशों के बीच भारत अब किसी भी खतरे का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हो रहा है। इसी दिशा में रक्षा क्षेत्र से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 1.05 लाख करोड़ रुपए की रक्षा खरीद योजनाओं को हरी झंडी दिखा दी है। खास बात ये है कि ये सभी खरीद स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित प्रणालियों से किए जाएंगे। दरअसल, 3 जुलाई 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डीएसी की बैठक हुई, जिसमें 10 बड़े पूंजीगत रक्षा प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। करीब 1.05 लाख करोड़ रुपये की 10 रक्षा खरीद की जरूरत को मंजूरी मिली। ये मंजूरी स्वदेशी स्त्रोतों से होगी। एक अधिकारी ने बताया कि आर्ड और मैकेनाइज्ड इंफेंट्री जब चलती है तो उसके एयर डिफेंस के लिए मैचिंग स्पीड वाला सिस्टम चाहिए जो मूव करते वक्त भी फायर कर सके। अभी आर्मी के पास सबसे नया एयर डिफेंस तंगुश्का है वह भी 90 के दशक का है। अब आर्ड के पास नई जेनरेशन की गाड़ियां हैं जो तेज चलती है इसलिए एयर डिफेंस के भी मॉर्डनाइजेशन की जरूरत है। क्यूआरएसएएम रेंज करीब 30 किलोमीटर है। इसका प्लैटफॉर्म बीडीएल बना रहा है और इक्विपमेंट डीआरडीओ ने बनाया है। यह टैंक की तरह दिखेगा जिसमें मिसाइल फायर करने का लॉन्चर होगा। सेना को इसकी तीन रेजिमेंट मिलेगी। डीएएस ने बख्तरबंद रिकवरी वीइकल, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, तीनों सेनाओं के लिए साझा इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम की खरीद को भी मंजूरी दी। ये खरीद ऑपरेशनल तैयारी को मजबूत करेंगी।

नोवाक जोकोविच का बेहतरीन प्रदर्शन

(एजेन्सी)।

विंबलडन 2025 में नोवाक जोकोविच ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखा है। इस दौरान उन्होंने डैन इवांस को सीधे सेटों में 6-3, 6-2, 6-0 से मात देकर मेन्स सिंगल्स के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। इस जीत के साथ जोकोविच ने टूर्नामेंट में अपना 99वां मुकाबला अपने नाम किया और 19वीं बार तीसरे दौर में पहुंचने वाले ओपन एरा के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इससे पहले ये रिकॉर्ड दिग्गज रोजर फेडरर के नाम था, जिन्होंने 18 बार विंबलडन के तीसरे दौर तक का सफर तय किया था।

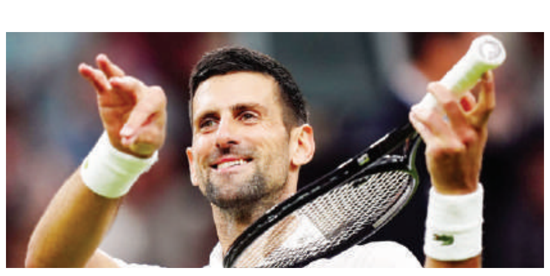

इस 38 वर्षीय टेनिस स्टार ने अब तक सात विंबलडन खिताब और कुल 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस मौके पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि 19 बार तीसरे दौर में पहुंचना बेहतरीन है।ये संख्या शायद यानिक सिनर और कार्लोस अल्कारेज की उम्र जितनी है। बता दें कि, पिछले दो विंबलडन फाइनल में जोकोविच को हराने वाले अल्कारेज की उम्र 22 साल है जबकि दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर 23 साल के हैं। वहीं महिला सिंगल्स कैटेगरी की बात करें तो, सातवीं वरीयता प्राप्त मीरा आंद्रीवा ने इटली की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-1, 7-6 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं, 10वीं वरीय ऐमा नवारो ने एकतरफा मुकाबले में वैरोनिका कुदरमेतोवा को 6-1, 6-2 से हराया।

जेमी स्मिथ ने टेस्ट में सेंचुरी ठोक कर बनाया रिकॉर्ड

(एजेन्सी)।

भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जहां इस मैच के तीसरे दिन मोहम्मद सिराज ने भारतीय टीम को कमाल की शुरूआत दिलाई। सिराज ने इंग्लैंड के लगातार 2 बल्लेबाजों को आउट कर टीम को बेहतरीन शुरूआत दिलाई। लेकिन इसके बाद इंग्लैंड के विकेटकीपर जेमी स्मिथ ने भारतीय गेंदबाजों के फीते खोल दिए। जेमी ने इस मैच में इंग्लैंड की वापसी कराते हुए एक बेहतरीन शतक लगाया। जेमी स्मिथ ने सिर्फ 80 गेंदों में अपना शतक ठोका। भारतीय टीम के गेंदबाजों पर जेमी स्मिथ ने गजब का हमला बोला। जेमी स्मिथ ने 80 गेंदों पर शतक पूरा करते हुए टीम इंडिया को प्रेशर में डाल दिया।

बहन की सगाई पर इमोशनल हुए अर्जुन कपूर

(एजेन्सी)। अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने अपने प्रेमी रोहन ठक्कर के साथ सगाई कर ली है। रोहन ठक्कर एक लेखक हैं। निमार्ता बोनी कपूर और दिवंगत मोना शौरी कपूर की बेटी अंशुला ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अपनी सगाई की यह खबर साझा की। दोनों ने न्यूयॉर्क शहर के सेंट्रल पार्क में बेल्वेडियर कैसल के सामने सगाई की। अंशुला ने पोस्ट में बताया कि उनकी मुलाकात ठक्कर से तीन साल पहले एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। इस खास मौके पर अर्जुन कपूर, जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर ने अंशुला को बधाई दी। फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेस पहने अंशुला तस्वीरों में अपनी डायमंड रिंग दिखाते हुए खुशी से झूम उठीं। तस्वीरों के साथ अंशुला ने एक लंबा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी प्रेम कहानी का खुलासा किया, जो 2022 की एक रात को शुरू हुई थी। उन्होंने लिखा, "हम एक ऐप पर मिले थे। एक मंगलवार को रात 1.15 बजे बात करना शुरू किया। हमने उस सुबह 6 बजे तक बात की। और किसी तरह, तब भी, ऐसा लगा कि किसी ऐसी चीज की शुरूआत हो रही है जो मायने रखती है।" हमेशा सुरक्षा करने वाले बड़े भाई अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक भावनात्मक संदेश पोस्ट किया, "मेरी ज़िंदगी ने उसे हमेशा के लिए पा लिया... आप दोनों के लिए हमेशा खुशियों की कामना @anshu-lakapoor @rohanthakkar1511. (माँ की बहुत याद आई). आप दोनों को प्यार।"

पंजाब सरकार द्वारा 5 जुलाई को आई. आई. टी. रोपड़ में बिजनस ब्लास्टर एक्सपो की मेजबानी की जायेगी: हरजोत बैंस

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि राज्य के नौजवानों में उद्यमिता को उत्साहित करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा आई. आई. टी. रोपड़ में पहली बार बिजनस ब्लास्टर्स एक्सपो करवाई जा रही है, जहाँ सरकारी स्कूलों के 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थी रोमांचक शार्क टैंक-शैली जैसे सैशनों में हिस्सा लेंगे और प्रसिद्ध निवेशकों, उद्यमियों और इनक्यूबेटरों के एक विशेष पैनल के आगे अपने नवीन उद्यमों का प्रदर्शन करेंगे।

पंजाब भवन में एक प्रैस कान्फ्रेंस को संबोधन करते हुये स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि यह एक्सपो बड़े स्तर पर विद्यार्थी उद्यमों के लिए फंडिंग, इंक्यूबेशन और औद्योगिक हिस्सेदारी को यकीनी बनाऐगा और साथ ही स्कूल-आधारित उद्यमिता के समर्थन के लिए भाईवालों को प्रेरित करेगा।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि कल (शनिवार) को एक्सपो में लगभग 40 टीमें अपने उत्पाद पेश करेंगी। सरकारी स्कूलों के 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों की टीमों द्वारा 18,492 बिजनस आईडिया विकसित किये गए हैं।

राज्य सरकार द्वारा अध्यापकों और माहिर सलाहकारों के नेतृत्व अधीन अपने बिजनस आईडिया को विकसित और लांच करने के लिए 7000 से अधिक टीमों को 16-16 हजार रुपए की सीड फंडिंग प्रदान की है। एक्सपो का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के उत्पादों के लिए बाजार के मौकों की पहचान करना और राजस्व और लाभ कमाने के लिए उनको असली ग्राहकों के साथ जोड़ना है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की बिजनस ब्लास्टर पहलकदमी के द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक, टीम-आधारित प्रशिक्षण, संचार में जरूरी हुनर को विकसित करने, वास्तविक-संसार के व्यापारिक तजुर्बों के द्वारा समस्या हल करने और वित्तीय प्रबंधन के साथ समर्थ बनाया गया है।

स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा विकसित किये गए बहुत से उद्यम पहले ही राजस्व पैदा कर रहे हैं और कार्यशीलता में विस्तार कर रहे हैं। प्रैस कान्फ्रेंस के दौरान स. बैंस ने चार टीमों को मीडिया से परिचित करवाया और उनकी तरफ से तैयार किये नवीन उत्पादों को दिखाया। सरकारी गर्लज सीनियर सेकंडरी स्कूल, रूपनगर की एक टीम ने क्रिएटिव गर्लज-एक रेजिन-आधारित कोस्टर, किचेन और मोमबत्ती मोल्ड-उत्पाद तैयार किया। टीम पहले ही 250 से अधिक यूनिटे बेच चुकी है।

इसी तरह सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल, पठानकोट की टीम ने एक ई-मोशन बाइक बनाई जो रिचार्ज करने योग्य इलेक्ट्रिक साइकिल है। यह ऊर्जा कुशल साइकिल शहरी आवाजाही के लिए तैयार की गई है। सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल, बठिंडा की टीम ने रिवायती सामग्रियों का प्रयोग करके हर्बल साईनः रसायन-मुक्त हर्बल शैंपू बनाया। टीम पहले ही 80 यूनिअे बेच चुकी है और ग्राहकों से सकारात्मक फीडबैक प्राप्त कर चुकी है। सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल, फिरोजपुर की टीम ने एल. ई. डी., शौक पुआइंट और छिपे हुए ब्लेड वाली आत्म रक्षा स्टिक डिफैंड-एक्स स्टिक बनाई। यह उत्पाद औरतों, बुजुर्ग नागरिकों आदि को अपने संभावित खरीददारों के तौर पर लक्षित करके तैयार किया गया है। सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल, मोगा की टीम ने बी. बी. चोको ड्रीम्जः रीजरवेटिव- रहित चाकलेट तैयार किये हैं। टीमें पहले ही 4000 रुपए से अधिक का लाभ कमा चुकी हैं। स. बैंस ने कहा कि भारत तभी तरक्की कर सकता है यदि कारोबार और आर्थिक विकास की तरफ ध्यान केंद्रित किया जाये और पंजाब सरकार स्कूलों से ही उद्यमी मानसिकता विकसित कर रही है।

लवनी नदी पुनर्जीवन योजना का भूमि पूजन सम्पन्न, ग्रामीणों में उमंग

गाढ़ा कटरा से देवरा तक होगी 32 किमी लंबी खुदाई, सीडीओ प्रयागराज और विधायक बारा ने की शुरूआत

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

बारा/प्रयागराज। शंकरगढ़ क्षेत्र की जीवनदायिनी रही लवनी नदी को फिर से प्रवाहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। शनिवार को गाढ़ा कटरा के जंगलों से निकलने वाली इस ऐतिहासिक नदी के पुनरुद्धार हेतु भूमि पूजन कर 32 किलोमीटर लंबी खुदाई कार्य का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रयागराज की मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह और बारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. वाचस्पति ने विधिवत पूजा अर्चना के साथ कार्य का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीडीओ हर्षिका सिंह ने कहा कि यह सिर्फ नदी की खुदाई नहीं है, बल्कि "जल, जमीन और जीवन" को बचाने का एक साझा जनआंदोलन है। उन्होंने कहा, लवनी नदी यहां की संस्कृति, खेती और ग्रामीण भविष्य का मूल आधार है। इसका पुनर्जीवन हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

लवनी नदी के सूखने और अतिक्रमण से जूझने की खबरें लगातार मीडिया में प्रकाशित होती रहीं। इसके बाद जिलाधिकारी श्री रवींद्र कुमार मांडण ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को निर्देश दिए। उनके आदेश पर सर्वेक्षण कराया गया, और नदी को पुनर्जीवित करने हेतु मनरेगा योजना के अंतर्गत खुदाई का प्रस्ताव तैयार हुआ।

मुख्य विकास अधिकारी ने जानकारी दी कि कुल 15 ग्राम पंचायतों के प्रधानों के साथ बैठक कर उनकी सहमति ली गई है। कार्य को आंशिक रूप से मशीनों और आंशिक रूप से मनरेगा श्रमिकों के माध्यम से कराया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक डॉ. वाचस्पति ने कहा कि यह हमारा संकल्प है कि लवनी नदी को फिर से प्रवाहित किया जाए। उन्होंने ग्रामीणों और किसानों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सिंचाई सुविधा बढ़ने से क्षेत्र की कृषि भूमि को नया जीवन मिलेगा और भूगर्भीय जलस्तर में भी सुधार आएगा।

भूमि पूजन कार्यक्रम के पश्चात सीडीओ और विधायक मियां बाकी स्थित पौधशाला पहुंचे, जहां उन्होंने वन महोत्सव के अंतर्गत पौधारोपण किया। उन्होंने उपस्थित लोगों से अधिकाधिक वृक्षारोपण का संकल्प लेने का आह्वान किया और कहा कि जल के साथ हरियाली भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

इस योजना की शुरूआत से क्षेत्रीय जनता में नई आशा और ऊर्जा का संचार हुआ है। ग्रामीणों का मानना है कि यदि कार्य पूरी तरह सफल होता है, तो यह क्षेत्र हरियाली, सिंचाई और आर्थिक समृद्धि की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।

इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि फूलचंद पटेल एवं विजय कुमार निषाद, मीडिया प्रभारी नीरज केसरवानी, खंड विकास अधिकारी शंकरगढ़ मनोज कुमार, सहायक विकास अधिकारी शंकरगढ़, रेंजर वन विभाग, शंकरगढ़ थाना प्रभारीओम प्रकाश, अवध बिहारी, प्रकाश सिंह, राजू द्विवेदी सहित सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

15000 रुपए रिश्वत लेता पी. एस. पी. सी. एल. का जे. ई. विजीलैंस ब्यूरो ने किया काबू

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रही अपनी मुहिम के दौरान पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमटिड (पीऐसपीसीऐल), सब-स्टेशन, कंधाला जट्टां जिला होशियारपुर में तैनात जूनियर इंजीनियर (जेई) बलजीत सिंह को 15000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ़्तार किया है। यहाँ यह खुलासा करते हुये विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह केस होशियारपुर जिले के गाँव सीकरी के एक निवासी द्वारा दायर की गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है।प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो के पास पहुँच करके दोष लगाया कि उक्त जेई ने उसके गाँव में बिजली सप्लाई लोड को ठीक करने के लिए एक नया ट्रांसफर्मर लगाने के बदले 20000 रुपए की माँग की थी परन्तु उसकी विनती पर सौदा 15000 रुपए में तय हो गया।

प्रवक्ता ने आगे कहा कि शिकायत की तस्दीक के बाद जालंधर रेंज की विजीलैंस टीम ने जाल बिछाया और उक्त मुलजिम को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 15000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया। इस सम्बन्ध में विजीलैंस ब्यूरो पुलिस थाना, जालंधर रेंज में उक्त जेई के विरुद्ध भ्रष्टाचार

रोकथाम कानून के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है। दोषी को कल समर्थ अदालत में पेश किया जायेगा और इस मामले की आगे जांच जारी है।

श्रद्धालुओं की टोली रथ के साथ संपूर्ण सिमरियाधाम की परिक्रमा किया

एसबी ब्यूरो

सिमरियाधाम। ग्रीष्म नवरात्र के अंतिम दिन नवमी तिथि शुक्ल पक्ष को सिद्धाश्रम से श्रद्धालुओं की टोली रथ के साथ-साथ संपूर्ण सिमरिया धाम क्षेत्र का परिक्रमा करते हुए राम जानकी घाट पर पहुंचे और सारे धर्मावलंबियों के साथ-साथ पूज्य गुरुदेव भगवान ने भी गंगा में डुबकी लगाई। उन्होंने कहा कि आज लगातार आमावस्या तिथि से लेकर आज तक हम लोग लगातार 9 दिन तक संपूर्ण क्षेत्र का परिक्रमा करते हुए गंगा मैया में स्नान बनाया जो कोई भी इस 9 दिन परिक्रमा करते हुए गंगा में डुबकी लगाते हैं। उन सारे भक्तों की सारी मनोरथ पूर्ण हो जाती है। भारत एक महान देश है। जहां वेद का अनुसंधान होता आया है।जहां वेदांग का अनुसंधान होता है। जहां की परंपरा विश्व के लिए अनुकरणीय है। जिसने संपूर्ण विश्व को अपना परिवार माना है। शक्ति प्रदान यह भारत देश जिसका उद्देश्य रहा है मातृ देवो भवःपितृ देवो भवःआचार्य देवो भवःअतिथि देवो भवःसाथ ही साथ यहां की परंपरा इस प्रकार की रही है। जिससे हमारा कायिक,मानसिक,संसार्गिक सब प्रकार के पाप ताप दूर होते हैं। साथ ही साथ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में इनका अनुकरणीय वर्णन है। इसलिए वेद को समझाने के लिए पुरानों की रचना हुई

महाकाव्य की रचना हुई, इतिहास पुराण के माध्यम से हम वेद को समझने का प्रयास करते हैं।

इस महान देश भारत में हर प्रकार की शिक्षा की व्यवस्था है। द्वादश कुंभ में निर्धारित है एक राशि पर जब सूर्य चंद्रमा और बृहस्पति का योग होता है। तब कुंभ योग कहलाता है। इस समय मिथुन राशि पर सूर्य चंद्रमा और बृहस्पति के योग से अमावस तिथि को हम लोग लगातार कुंभ स्नान बनाते आ रहे हैं और द्वादश कुंभ संपन्न हो गया। इस नवरात्र अंतर्गत श्रीमददेवी भागवत के माध्यम से सनातनी संस्कृति को परोसने का प्रयास किया गया। साथ ही साथ सर्वमंगला परिवार की ओर से बाबा का जन्मोत्सव भी एकादशी तिथि को मनाया जाता है और एकादशी तिथि से लेकर गुरु पूर्णिमा तक लगातार 5 दिन का यह कार्यक्रम सब प्रकार से सफल हो और साथ ही साथ यहां के शासक माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार सरकार को भी साधुवाद यह जानकर खुशी हुई कि मां जानकी का प्रक्टय स्थल पुनौरा धाम (सीतामढ़ी) और सिमरियाधाम को पर्यटक विभाग में हस्तांतरित करने की स्वीकृति मिली यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई साथ ही यहां के संत समाज तीर्थ पुरोहित सभी में एक आशा की किरण जागी। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले भविष्य में आशा कि किरण दिखाई दे रहा है। सिमरिया का अब सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा।

मौके पर सिद्धाश्रम के व्यवस्थापक रविंद्र ब्रह्मचारी, मीडिया प्रभारी नीलमणि, निपेनदर सिंह, कौशलेंद्र सिंह, अमरेंद्र सिंह, रितेश कुमार, तरुण कुमार, पप्पू त्यागी, अरविंद चौधरी, आचार्य नारायण झा, पंडित नारायण झा, पंडित रमेश झा, पंडित दिनेश झा, श्याम झा, राम झा, लक्ष्मण झा, रजनीश कुमार, राजा झा, हंस झा, कृष्ण झा, रोचकानंद सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद थे।

रमजानपुर प्रीमीयम लीग का भव्य उद्घाटन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। बदायूं के ग्राम रमजानपुर में रमजानपुर प्रीमियर लीग 2025 क्रिकेट मैच का भव्य उद्घाटन डा० अच्छन मियाँ (भदसिया) एवं डा0 हाशमीन अरसलान पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमजानपुर बदायूं द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार हामिद अली खान राजपूत इंतजार हुसैन, हसीव खान, वासिल हुसैन, शाकिर खान, जाकिर खान, इशरत मिलन, रियाजउल हुसैन, शादाब हुसैन, रिफाकात हुसैन, मुजद्दन अली, रियाजुद्दीन सच्चन, शफात वगैरहा ने मुख्य रूप से शिरकत की।

यह टूर्नामेंट 3 जुलाई से शुरू होकर 13 जुलाई तक चलेगा जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की टीमें प्रतिभाग करेंगी।

दस गुरु परंपरा में वंजारा समाज का योगदान विषय पर संगोष्ठी 8 जुलाई को

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी द्वारा 8 जुलाई, 2025 को प्रातः 11 बजे अकादमी सभागार, पंचकूला में दस गुरु परंपरा में वंजारा समाज का योगदान विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने बताया कि भाई लक्खी शाह वंजारा एवं भाई मक्खन शाह लुबाना का हमारे इतिहास में अहम स्थान है। भाई लक्खी शाह वंजारा और भाई मक्खन शाह लुबाना जाने-माने व्यवसायी के साथ-साथ एक उच्चकोटि के विद्वान भी थे। भाई लखी शाह वंजारा का जन्म 4 जुलाई, 1580 तथा भाई मक्खन सिंह लुबाना का जन्म 7 जुलाई, 1619 को हुआ था।

एशिया के सबसे प्रतिष्ठित अभिनय संस्थान राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सिक्किम में गर्वित गिदवानी का हुआ चयन

संजना भारती संवाददाता

टोंक। जिले के सांस्कृतिक क्षेत्र के लिए यह एक गर्व का क्षण है। कम्युनिटी थिएटर ग्रुप टोंक के युवा कलाकार गर्वित गिदवानी का चयन देश की सर्वश्रेष्ठ और एशिया की सबसे प्रतिष्ठित अभिनय संस्था राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, सिक्किम परिसर में हुआ है, जहां वह 1 वर्ष अभिनय पर प्रशिक्षण लेंगे। खास बात यह है कि गर्वित का यह चयन पहले ही प्रयास में हुआ है, जो उनकी कड़ी मेहनत, अभिनय क्षमता और समर्पण को दशार्ता है।

शहर के महादेव दास गिदवानी के पौत्र एवं संजय गिदवानी और करिश्मा गिदवानी के पुत्र गर्वित की प्रारंभिक शिक्षा सेंट सोल्जर से हुई। वह स्कूली शिक्षा के समय से ही अभिनय में रुचि लेने लगे थे। उसी के साथ 2019 से कम्युनिटी थिएटर टोंक के सक्रिय भागीदारी निभाई। गर्वित ने आगे की शिक्षा राजस्थान विश्विद्यालय जयपुर में ड्रामा से स्नातक पूरा किया। इस दौरान वह नाटकों में तमाम प्रकार के रोल भी करते रहे। गर्वित का कहना है कि कम्युनिटी थिएटर टोंक से जुड़ने के उन्हें नई दिशा मिली और अभिनय की तमाम बारीकियां भी सीखी। इसी यात्रा में उन्होंने देश के मुख्य नाट्य समारोह भारत रंग महोत्सव, जिसे राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा आयोजित किया जाता है, में भी अपनी प्रस्तुति दी। अपने इस चयन का श्रेय गर्वित ने अपने स्थानीय शहर, परिवार, दोस्तों और कम्युनिटी थिएटर टोंक समूह को दिया हैं। गर्वित पिछले पांच वर्षों से कम्युनिटी थिएटर टोंक के

सक्रिय सदस्य हैं और उन्होंने कई नाट्य प्रस्तुतियां जैसे बड़े भाई साहब, द डेथ ऑफ गैलीलियो, स्मृति शेष, पारसी नाटक रुस्तम ओ सौराभ, गोपत्रुडु आदि नाटकों में बतौर अभिनेता और संगीतकार भूमिका निभाई हैं। अभिनय के साथ-साथ उन्होंने निर्देशन, संगीत और रंगमंचीय प्रयोगों में भी अपनी रुचि और प्रतिभा दिखाई है। वहीं उनके द्वारा रंगमंचीय कार्यशाला में बच्चों के साथ पहला निर्देशन नॉक नॉक, तथा युवाओं के साथ गोडो इफेक्ट का प्रभावी निर्देशन किया। कम्युनिटी थिएटर ग्रुप टोंक की ओर से जारी संदेश में कहा गया, "यह सिर्फ गर्वित की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि पूरे टोंक जिले के सांस्कृतिक आंदोलन के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में चयनित होना किसी भी रंगकर्मी का सपना होता है, और गर्वित ने यह सिद्ध किया है कि लगन और निरंतर अभ्यास से सपने साकार किए जा सकता हैं। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला एक प्रतिष्ठित संस्थान है, जिसे रंगमंच और अभिनय के क्षेत्र में सर्वोच्च प्रशिक्षण केंद्र माना जाता है। इसकी स्थापना 1959 में हुई थी, और तब से यह संस्था भारत के थिएटर कलाकारों की पहली पसंद रही है।

NSD का उद्देश्य है-छात्रों को अभिनय, निर्देशन, संगीत, मंच सज्जा, प्रकाश, मेकअप और रंगमंच से जुड़ी तमाम कलाओं में व्यावहारिक और सैद्धांतिक रूप से प्रशिक्षित करना।

NSD का मुख्य परिसर नई दिल्ली में स्थित है, लेकिन अब इसकी शाखाएँ सिक्किम, वाराणसी और बेंगलुरु में भी खोली गई हैं ताकि विभिन्न क्षेत्रों के छात्र भी इस उच्च गुणवत्ता की रंगमंचीय शिक्षा का लाभ उठा सकें। इस संस्थान से नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, इरफान खान, पंकज त्रिपाठी, पीयूष मिश्रा, राजपाल यादव, नीना गुप्ता जैसे दिग्गज अभिनेता निकल चुके हैं, जिनकी कला ने देश-विदेश में पहचान बनाई है। NSD में प्रवेश के लिए हर वर्ष पूरे भारत से हजारों छात्र आवेदन करते हैं, जिनमें से कुछ ही प्रतिभाशाली कलाकार कठिन चयन प्रक्रिया को पार कर पाते हैं। यही कारण है कि NSD में चयन होना न केवल एक बड़ी उपलब्धि होती है, बल्कि यह किसी भी रंगकर्मी के लिए एक सपने के सच होने जैसा होता है।

टोंक के सांस्कृतिक समुदाय और थिएटर प्रेमियों में गर्वित की इस उपलब्धि को लेकर हर्ष और उत्साह का वातावरण है। स्थानीय संस्थाएँ और कलाकारों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की हैं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

फसल अवशेष प्रबंधन को मिलेगी नई दिशा, करनाल में स्थापित होगी पैडी स्ट्रॉ सप्लाई चेन

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन को प्रभावी बनाने और पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए वर्ष 2025-26 में एक नई पहल की जा रही है। इसके तहत करनाल जिले में "पैडी स्ट्रॉ सप्लाई चेन" की स्थापना की जाएगी। इस परियोजना से न केवल कृषि अवशेषों का समुचित प्रबंधन होगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कृषि उपनिदेशक डॉ. वजीर सिंह ने बताया कि इस सप्लाई चेन परियोजना के लिए 1 से 1.5 करोड़ रुपये तक के प्रोजेक्ट बनाए जा सकते हैं, जिनमें कृषि विभाग द्वारा कुल लागत का 65 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जाएगा। प्रोजेक्ट लागत का 25 प्रतिशत योगदान संबंधित उद्योग द्वारा और शेष 10 प्रतिशत एग्रीगेटर द्वारा वहन किया जाएगा।

यदि कोई एग्रीगेटर उद्योग के साथ बाइलेट्रल एग्रीमेंट नहीं करना चाहता, तो वह स्वयं भी इस योजना के तहत आवेदन कर सकता है, बशर्ते कि वह हरियाणा का स्थायी निवासी हो। ऐसे मामले में एग्रीगेटर को परियोजना लागत का 35 प्रतिशत स्वयं वहन करना होगा, और इसके लिए उसे बैंक से वित्तीय सहायता प्राप्त करनी होगी।

सहायक कृषि अभियंता कुलबीर सिंह ने बताया कि करनाल जिले में हर वर्ष लगभग 8 लाख टन फसल अवशेष उत्पन्न होता है। इस योजना के अंतर्गत स्थापित सप्लाई चेन प्रोजेक्ट से इन अवशेषों के कुशल प्रबंधन में मदद मिलेगी और पराली जलाने की घटनाओं में कमी आएगी। इस योजना के लिए 15 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन विभागीय वेबसाइट www.agriharyana.gov.in पर किए जा सकते हैं। आवेदन किसान, किसान समूह, एफपीओ, पंचायत समितियां, ग्रामीण उद्यमी और सहकारी समितियां कर सकते हैं। आवेदकों को प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंक की वित्तीय स्वीकृति और अन्य जरूरी दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा करवाना होगा।

प्राप्त आवेदनों पर 21 जुलाई को जिला स्तरीय कमेटी द्वारा विचार किया जाएगा और उपयुक्त प्रोजेक्ट्स को आगे राज्य स्तरीय कमेटी के पास अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। ऐसे उद्योग जिनका एग्रीगेटर के साथ आपसी समझौता होगा, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद 100 प्रतिशत पराली आधारित उद्योगों और पिछले दो वर्षों में पराली खरीद करने वाले एग्रीगेटरों को वरीयता मिलेगी।

11,000 रुपए रिश्वत लेता नगर परिषद का अकाउंटेंट विजीलैंस ब्यूरो द्वारा काबू

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। भ्रष्टाचार के विरुद्ध की जा रही अपनी लगातार कार्यवाही के तहत पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने शुक्रवार को जिला बरनाला के नगर परिषद धनौला में तैनात अकाउंटेंट दीपक सेतिया को 11,000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे गिरफ़्तार किया है। यहाँ यह खुलासा करते हुये राज्य विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ़्तारी धनौला कस्बे के निवासी एक ठेकेदार की शिकायत के बाद अमल में लाई गई है। प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो के पास पहुँच करके दोष लगाया कि मुलजिम ने 2,21,402 रुपए के उसके बकाया भुगतान चैक की क्लीयरेंस कराने के बदले 11000 रुपए रिश्वत की माँग की थी। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत की पड़ताल के उपरांत विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया और सरकारी गवाहों की हाजिरी में शिकायतकर्ता से 11000 रुपए रिश्वत लेते हुए दीपक सेतिया को रंगे हाथों काबू कर लिया। मौके से रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है। इस सम्बन्ध में विजीलैंस ब्यूरो के थाना पटियाला रेंज में उक्त मुलजिम के विरुद्ध भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है। मुलजिम को कल समर्थ अदालत में पेश किया जायेगा और केस सम्बन्धी और जांच प्रक्रिया अधीन है। विजीलैंस ब्यूरो के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि यह गिरफ़्तारी भ्रष्टाचार के विरुद्ध हमारी जीरो सहनशीलता नीति को उजागर करती है। हम हर स्तर पर अनियमतताओं को जड़ से उखाड़ फेंकने और लोगों के लिए जवाबदेही यकीनी बनाने के लिए वचनबद्ध हैं विजीलैंस ब्यूरो ने लोगों से अपील की है कि वे हेल्पलाइन के द्वारा भ्रष्टाचार के किसी भी मामले की रिपोर्ट करें जिससे अपराधियों के विरुद्ध सख़्त कार्यवाही की जा सके।

विद्यार्थी शहर में लाएं स्वच्छता की क्रांति, गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करने का लें संकल्प: डॉ. वैशाली शर्मा

■ विद्यार्थियों ने स्मार्ट सिटी को स्वच्छ सिटी बनाने का निगमायुक्त से किया वादा

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। नगर निगम करनाल ने शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की ठानी हैं। इसे लेकर सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओं अभियान के तहत नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन-शहरी टीम ने अल्फा इंटरनेशनल सिटी स्थित आर.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही।

नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने अपने सम्बोधन में विद्यार्थियों को स्वच्छता को अपनाने और करनाल शहर को स्मार्ट सिटी के साथ-साथ स्वच्छ सिटी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आओ हम सब मिलकर शहर में स्वच्छता की क्रांति लाएं, ताकि हमारे शहर का नाम देश के स्वच्छ शहरों में शुमार हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों, अध्यापकों व स्टाफ से अपील करते कहा कि सभी अपने घर से ही स्वच्छता की शुरूआत करेंगे। घर में हरे व नीले रंग के दो डस्टबिन रखेंगे और उनमें गीला व सूखा कचरा अलग-अलग ही डालेंगे। उस कूड़े को नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहन में डालें। उन्होंने कहा कि आज आप जो भी सीख कर जा रहे हैं, उस जानकारी को अपने परिवार व आस-पास के लोगों से सांझा जरूर करें।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जिस प्रकार बच्चे स्कूल जाने के नाम पर या खेल-खिलौने लेने के लिए जिद्द करते हैं, उसी प्रकार आप भी अपने घर में गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करने की जिद्द करें। उन्होंने कहा कि अपने घर में ही मटका या बाल्टी इत्यादि में गीला कचरा डालकर उसे खाद में परिवर्तित कर उसे गमलों या पेड़-पौधों में डाल सकते हैं। इससे कचरे की मात्रा घटेगी और शहर को स्वच्छ बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर ही स्वच्छता की जिम्मेदारी लेनी होगी, तभी हम इस कार्य में सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आओ हम सब मिलकर इस प्लेटफॉर्म पर एक टीम की तरह कार्य करें और अपने शहर को सपनों का स्वच्छ शहर बनाएं।

इस मौके पर उपस्थित बच्चों ने अपने हाथ उठाकर निगमायुक्त से वादा किया कि हम सब मिलकर करनाल शहर को देश का सबसे सुंदर शहर बनाएंगे। इसी बीच उन्होंने विद्यार्थियों से स्वच्छता और कूड़ा पृथक्करण से जुड़े कुछ सवाल-जवाब किए और सबसे पहले सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को चॉकलेट देकर सम्मानित किया।

ट्रीगर मास्टर गुरदेव सिंह ने विद्यार्थियों व स्कूली स्टाफ को वेक्टर जनित रोग जैसे डेंगू व मलेरिया से बचाव तथा साफ हाथ, साफ-सुथरा घर, स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ मौहल्ला, स्वच्छ सार्वजनिक स्थल और स्वच्छ नालियां और जल स्त्रोत के बारे में जागरूक किया। इसके अतिरिक्त सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग बंद करना, कचरा पृथ्थकरण, घर से ही गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करना, कचरे को डस्टबिन या कचरा संग्रहण वाहनों में डालना, गंदगी न करना, पांच प्रकार के डस्टबिन तथा अपने परिवार व आस-पास के लोगों को किस प्रकार स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है, की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को समझाने के लिए पांच प्रकार के डस्टबिन की प्रदशर्नी भी लगाई गई थी।

इस मौके पर अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार, आर.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. त्रिदेवी उपाध्याय, वरिष्ठ्द संयोजक शालिनी अरोड़ा, संयोजक निधी शर्मा, अध्यापक सिमरजीत तथा नगर निगम से सफाई निरीक्षक ऊषा रानी, स्वच्छ भारत मिशन टीम से ट्रीगर मास्टर गुरदेव सिंह, अंकित, मोटीवेटर कुलदीप, महेन्द्र व दीपमाला मौजूद रहे।

समाधान शिविर में आई शिकायतों के निवारण में कैथल जिला प्रदेश में नंबर वन

■ डीसी ने जिले के अधिकारियों की पीठ थपथपाई, जिले में महज शिकायत 21 शिकायत लंबित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिले में आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों में आई आई शिकायतों के निवारण में कैथल जिला हरियाणा में नंबर वन जिला बना है। यहां पूरे प्रदेश में सबसे कम शिकायतें लंबित हैं। पूरे जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित महज 21 शिकायतें लंबित हैं।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से प्रधान सचिव राजीव रंजन ने पूरे प्रदेश की समीक्षा बैठक में कैथल जिला प्रशासन द्वारा निपटाई जा रही शिकायतों पर सराहना की और दूसरे जिलों को भी इसी तरह कार्य करने का आह्वान किया। प्रधान सचिव राजीव रंजन ने समीक्षा बैठक के दौरान कैथल जिला की दो रिओपन हुई शिकायतों पर फीडबैक लिया। जिनमें से थेह नेवल गांव के किसान की ट्रांसफार्मर से संबंधित एक शिकायत पर जेई के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। राज्यस्तरीय समीक्षा के बाद डीसी प्रीति ने समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों के त्वरित समाधान एवं प्रदेश में सबसे कम पेंडेंसी होने का श्रेय जिला की पूरी प्रशासनिक टीम को दिया। उन्होंने कहा कि जब अधिकारी आपसी तालमेल से काम करेंगे तो इस तरह के परिणाम आएंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों से आह्वान किया कि वे इसी तरह पूरी लगन एवं ईमानदारी के साथ जन शिकायतों का समाधान करते रहें और बेहतर प्रफोरमेंस के स्टेटस को बरकरार रखें।

समाधान शिविरों में आई शिकायतों का तुरंत समाधान कर गुणवत्तापूर्वक उनकी एटीआर अपलोड करें। जो शिकायत जिला स्तर पर नहीं सुलझाई जा सकती, इसके बारे में आला अधिकारियों को लिखें लेकिन अपने स्तर पर किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक प्राप्त हुई शिकायतों में से मात्र 21 शिकायतें लंबित हैं। इनमें पिछले सप्ताह प्राप्त हुई 12 शिकायतें भी शामिल हैं।

इस अवसर पर एडीसी दीपक बाबूलाल करवा, जिला नगर आयुक्त सुशील कुमार, जिला परिषद सीईओ सुरेश राविश, एचएसवीपी ईओ वकील अहमद, एसडीएम अजय सिंह, सीटीएम गुरविंद्र सिंह, डीएसपी बीरभान, डीडीपीओ कंवर दमन, डीआरओ चंद्रमोहन, रोडवेज जीएम कमलजीत चहल, जिला उच्च शिक्षा अधिकारी डा. मनोज सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रशासन विकास कार्य तेज करें और रखें निगरानी: सांसद कुमारी सैलजा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

हरियाणा। सिरसा लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे जिले में चल रहे विकास कार्यों को तेज गति से पूरा करें और साथ ही उनकी समीक्षा व निगरानी भी सुनिश्चित करें, ताकि योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ पात्र लोगों तक पहुंच सके।

वे शुक्रवार को स्थानीय डीआरडीए हॉल में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। इस दौरान बैठक में 21 एजेंडों पर संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिन पर सांसद ने बिंदुवार चर्चा की और जरूरी निर्देश दिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि पेयजल और स्वच्छता जैसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, क्योंकि ये दोनों क्षेत्र सीधे जनता के स्वास्थ्य से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक किया जाए, जिससे अधिक से अधिक पात्र लोग इनका लाभ उठा सकें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी योजना को लेकर किसी विभाग को प्रशासनिक स्तर पर सहयोग की आवश्यकता हो, तो उसे लिखित रूप से सूचित किया जाए, ताकि आवश्यक पत्राचार कर समाधान करवाया जा सके। बैठक में सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी और हिसार सांसद जयप्रकाश भी उपस्थित रहे। सांसद सैलजा ने नेशनल हाईवे की स्थिति पर भी चिंता जताई और सड़क की गुणवत्ता, नियमित मरम्मत व दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने को कहा। उन्होंने हाईवे पर एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड की सुविधा, साथ ही टोल प्लाजा पर इमरजेंसी लेन चिन्हित करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल योजना के तहत सांसद ने कहा कि गांवों में पाइपलाइन बिछाने के बाद गलियों की मरम्मत जरूर करवाई जाए, जिससे लोगों को कोई असुविधा न हो। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में स्कूली बच्चों की भागीदारी बढ़ाने और कचरा प्रबंधन व जल निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर भी बल दिया गया। बैठक में उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा, एसपी कुलदीप सिंह, एडीसी विवेक आर्य, सीईओ जिला परिषद अनिल दून, एसडीएम सत्यवान सिंह मान, जगदीश चंद्र, होशियार सिंह, पुलकित मल्होत्रा, डीएमसी सुरेंद्र कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सीएमओ कैथल के निर्देश पर सीएचसी राजौंद में एमपीएचडब्ल्यू व स्वास्थ्य अधिकारियों की मीटिंग हुई

■ मीटिंग की अध्यक्षता वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कीर्ति शर्मा ने की

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सीएमओ डॉ रेनू चावला के निर्देश पर नगर के सभी एमपीएचडब्ल्यू व सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की मीटिंग वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी राजौंद डॉक्टर कीर्ति शर्मा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें डॉक्टर कीर्ति शर्मा ने सभी को निर्देश दिए कि आप सभी अपने अपने एरिया में गर्भवती महिलाओं, गांव में आरएमपी डॉक्टर व दवा विक्रेताओं पर नजर रखें अगर कोई भी लिंग जांच से संबंधित या गर्भपात से संबंधित कोई जानकारी आपको मिले तो तुरंत इस कार्यालय को सूचना दे ताकि कानून के हिसाब से उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। इसके अतिरिक्त सभी को निर्देशित किया गया कि आप रोजाना अपने एरिया में एनसीडी के कार्य को तवज्जो देते हुए अधिक से अधिक रोगियों की स्क्रीनिंग करेंगे तथा उन्हें आनलाइन करना सुनिश्चित करें।

उपस्वास्थ्य केंद्र पर कार्यरत सभी कर्मचारी अनिमिया मुक्त भारत अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा लोगों के रक्त की जांच कर के उन्हें आनलाइन करें तथा जो भी अनिमिक पाए उसका इलाज शुरू करें

सीएमओ डॉ रेनू चावला।

एवं उनका समय समय पर फालोअप करना सुनिश्चित करें। इस मीटिंग में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद के अधीन आने वाले सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, सभी एम पी एच डब्ल्यू मेल, डॉक्टर संदीप सिंह, स्वास्थ्य निरीक्षक जितेंद्र सिंह व अनिल कुमार टी बी एच वी उपस्थित रहे।

लालूपुरा गांव में बाढ़ सुरक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क, एसडीएम राजेश सोनी ने जमुना तटबंध का किया निरीक्षण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। मानसून सीजन की दस्तक के साथ ही जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। शुक्रवार को एसडीएम राजेश सोनी ने करनाल जिले के लालूपुरा गांव में यमुना नदी के साथ लगते तटबंध का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ की संभावित स्थिति से निपटने के लिए सभी जरूरी प्रबंध समय रहते पूरे किए जाएं ताकि किसी भी आपात स्थिति में जान-माल का नुकसान न हो।

एसडीएम ने मौके पर मौजूद सिंचाई विभाग के अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। सिंचाई विभाग के एसडीओ विजय सैनी ने बताया कि विभाग द्वारा अभी तक 30 हजार रेत के कट्टों का प्रबंध कर लिया गया है और अतिरिक्त कट्टों को भरने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

राजेश सोनी ने कहा कि तटबंध की निगरानी नियमित रूप से की जाए और जिन स्थानों पर तटबंध कमजोर होने की आशंका है, वहां अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि मानसून के दौरान गांववासियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और आवश्यक संसाधन समय पर मुहैया कराए जाएं।

निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि बाढ़ नियंत्रण और बचाव को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चालान ड्राइव आयोजित कर लोगों को यातायात नियमों के बारे में किया जागरूक

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में डीएलएसए द्वारा शुक्रवार को पुलिस विभाग के सौजन्य से अस्पताल चौंक व मॉडल टाउन पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

वालंटियर अज्ञा पाल ने इंस्पैक्टर रोशन लाल, सब इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार व टीम के साथ चालान ड्राइव का आयोजन किया व जनसाधारण को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

शिविर में पैरा लीगल वॉलंटियर पूजा ने 12 जुलाई को लगने वाली नेशनल लोक अदालत की जानकारी दी और अदालत में लंबित मुकदमों व चालानों का भुगतान नेशनल लोक अदालत के माध्यम से करने के बारे में जागरूक किया। इसके अलावा पैरा लीगल वॉलंटियर डॉ. नीना ने बी आर एम कालेज, घरौंडा व जैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, घरौंडा के विद्यार्थियों को जागरूकता शिविर लगाकर मुफ्त कानूनी सेवाओं की जानकारी दी और यातायात नियमों से अवगत करवाते हुए यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

सीजेएम डॉ. इरम हसन ने बताया कि हालसा पंचकूला के आदेशानुसार कैम्पेन 'रोड रूल्स, लाइफ टूल्स' के अंतर्गत जिला के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता शिविरों व चालान ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज अस्पताल चौक मॉडल टाउन में पैरा लीगल वॉलंटियर पूजा व पैरा लीगल

आउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए खोले जाएंगे स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर: एडीसी

■ 243 आउट ऑफ स्कूल बच्चों को शिक्षा की तालीम देंगे शिक्षा वालंटियर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने कहा कि जिला कैथल में आउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर खोले जाने हैं। जिला कैथल में सर्वे के दौरान 243 आउट ऑफ स्कूल बच्चों की पहचान हुई है। इन बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षा वालंटियर पढ़ाएंगे।

एडीसी दीपक बाबूलाल करवा शुक्रवार को शिक्षा विभाग के आउट ऑफ स्कूल बच्चों से संबंधित मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग के निदेर्शानुसार सभी आउट ऑफ स्कूल बच्चों को मिड डे मील, हेल्थ चेकअप जैसी सुविधा देना जरूरी है। छह माह के इस विशेष प्रशिक्षण के बाद सभी बच्चों को मुख्य धारा से जोडा जाना है। इसमें स्कूल स्तर से लेकर जिला स्तर पर सबकी अपनी-अपनी भूमिका रहेगी। सभी अपनी भूमिका को पूरी लगन के साथ निभाए, ताकि इन आउट ऑफ स्कूल बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से

जोड़ा जा सके।

इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी डॉ नरेश कुमार, सुरेश सिंगला सुरेश कुमार, प्रधानाचार्य मेधावर्त शर्मा, रविंद्र शर्मा, सुखदेव सिंह, सहायक परियोजना संयोजक कुशल कुमार, डीएमएस छत्रपाल सिंह, सिविल अस्पताल से डॉक्टर दिनेश कंसल और समाज कल्याण विभाग से धर्मवीर, रेडक्रॉस से पवन कुमार, एबीआरसी दिनेश कुमार, संगीता, आशु, मनदीप रानी, रेखा रानी आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों के लिए 7-12 जुलाई तक आयोजित होंगे मेडिकल कैंप: एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने 7 जुलाई से 12 जुलाई तक दिव्यांग बच्चों के आयोजित होने वाले मेडिकल कैंप के संबंध में सभी खंड शिक्षा अधिकारियों, नागरिक अस्पताल कैथल, रेडक्रॉस सोसायटी, समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों की भी बैठक ली। उन्होंने कहा कि इन कैम्प में जिसकी भी ड्यूटी लगाई गई है, उसे पूरी कर्तव्य निष्ठा के साथ से निभाएं। कैंप के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। जो भी सामान्य अध्यापक दिव्यांग बच्चों के साथ आए, वह कंप्लीट चेकअप के बाद ही बच्चों को वापिस लेकर जाएं।

पूरी जिम्मेदारी के साथ कैंप में अपना कार्य करें। इस दिव्यांग बच्चों के मेडिकल कैंप में वह किसी भी दिन औचक निरीक्षण के लिए आ सकते हैं।

ब्रह्माकुमारी आश्रम राजौंद आस-पास के गांव में पर्यावरण संरक्षण के प्रति ग्रामिणों को कर रहा जागरूक

■ 'एक पेड़-मां के नाम' मुहिम से गांव नीमवाला व नगर राजौंद में किया गया पौधारोपण

संजना भारती संवाददाता

राजौंद। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय राजौंद द्वारा एक पेड़ मां के नाम मुहिम की श्रृंखला में आस-पास के गांव में भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। बहनों द्वारा गांव नीमवाला व नगर राजौंद में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में सभी भाई बहनों को पर्यावरण सुरक्षा का संदेश देते हुए ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने कहा कि आज का नागरिक पर्यावरण के प्रति अपने दायित्वों से विमुख होने तथा जीवनशैली में बदलाव के कारण प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के भाव के बजाय उस पर और अधिक बोझ डालते जा रहा है।

आज हम पर्यावरण की दृष्टिकोण से बहुत गंभीर संकट की स्थिति में खड़े है। हम पर्यावरण को आध्यात्म से जोड़े तभी हम अगली पीढ़ी को कुछ दे पाएंगे। प्रकृति हमें हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सब कुछ देती है लेकिन हमारे लोभ, लालच के लिए नहीं। हमारी सोच का प्रकृति के हर तत्व पर प्रभाव पड़ता है। प्रकृति संरक्षण के लिए हम अपनी जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव लाएं-घर से निकले तो लाइट, पानी बचाएं और हो सके तो प्लास्टिक के बजाये कपड़े का थैला इस्तेमाल करें। इसमें जन भागीदारी का बहुत महत्व है। पौधे लगाने के साथ-साथ उसका संरक्षण भी करे। आज मानव मन के नकारात्मक विचारों के कारण प्रकृति और पर्यावरण तेजी से प्रदूषित होते जा रहे है। ब्रह्माकुमारीज में राजयोग मेडिटेशन द्वारा प्रतिदिन शुद्ध, सकारात्मक विचारों के प्रकंपन फैलाकर पर्यावरण को शुद्ध बनाने का कार्य किया जा रहा है, क्योंकि प्रकृति हमारे वाइब्रेशन को बहुत जल्दी ग्रहण कर लेती है। बहन ने प्रकृति के लिए शुभ संकल्प एवं कृतज्ञता के भाव का महत्व बताते हुए मेडिटेशन करवाया एवं परमात्मा की शक्तियों से पर्यावरण को योगदान देने का अभ्यास कराया।

ब्रह्मा कुमारीज राजौंद द्वारा एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत दुर्गा मंदिर राजौंद में पौधारोपण किया गया। इस मौके पर दुर्गा मंदिर कमेटी प्रधान देवेंद्र जी तथा प्रदीप बहन उपस्थित रहे। भाई बहनों को जागरुक करते हुए ब्रह्माकुमारी बहन ने कहा कि पेड़, तालाब, संत परमार्थ के लिए ही होते है। हमें अपने आप में व्याप्त वैमनस्य,राग-द्वेष, क्रोध, मान, माया व लोभ को दूर कर सद्भावना, शांति, करुणा, प्रेम का पौधा लगाना है, पौधे न सिर्फ हमको सिर्फ ऑक्सीजन देते हैं बल्कि हमारे अनेका अनेक बीमारियों को भी ठीक करते हैं। जैसे की बीपी, शुगर, विटामिन की कमी को दूर करते हैं। दीदी ने कहा कि बेतहासा जनसंख्या वृद्धि के कारण प्रकृति की दशा दयनीय हो गई है। जंगल कटने से गर्मी बढ़ती जा रही है, पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है। तो चलिए एक पेड़ रोज लगाए और धरती को हरा भरा बनाए।

समाजसेवी देवेंद्र जी ने कहा कि वृक्ष, जल, जमीन, जंगल और जानवरों की सुरक्षा से ही पर्यावरण सरंक्षण संभव है। पेड़-पौधे धरती का तथा सद्गुण मानवता का श्रृंगार है। हमें हमारी मातृभूमि को हरा भरा बनाने के लिए अधिकाधिक पेड़ लगाने चाहिए और जीवन को सुखमय, शांतिमय, आध्यात्मय बनाने के लिए सद्गुणों को अपनाना चाहिए।

मानसून में मच्छरों से बचाव के लिए साफ-सफाई को बनाएं आदत: उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। बारिश और उमस भरे मौसम में बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ जाता है, खासकर मच्छरों से फैलने वाले रोगों जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया का। इसको ध्यान में रखते हुए उपायुक्त उत्तम सिंह ने आमजन से अपील की है कि वे अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें ताकि इन बीमारियों से खुद और दूसरों को बचाया जा सके।

उपायुक्त ने बताया कि मलेरिया फैलाने वाले मच्छर गंदे और रुके हुए पानी में पनपते हैं, जबकि डेंगू का मच्छर साफ एवं स्थिर पानी में पैदा होता है और दिन के समय काटता है। उन्होंने कहा कि नागरिक पानी की टंकियों को समय-समय पर अच्छी तरह से साफ करें और उन्हें ढक कर रखें। कूलर, फ्रिज की ट्रे, घर की छतों पर जमा बारिश का पानी, टूटे बर्तन, टायर और कबाड़ जैसे स्थान डेंगू मच्छर के प्रजनन स्थल बन सकते हैं, इसलिए इनकी नियमित सफाई अनिवार्य है। उत्तम सिंह ने बताया कि डेंगू के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, बदन दर्द, सिर और जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, त्वचा पर लाल चकत्ते, नाक या मसूड़ों से रक्तस्त्राव और उल्टी के साथ खून आना शामिल हैं। यदि किसी व्यक्ति को ये लक्षण नजर आएं, तो उसे तुरंत नजदीकी नागरिक अस्पताल में जांच और इलाज करवाना चाहिए। समय पर उपचार से गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि मलेरिया का मच्छर दिन और रात दोनों समय काटता है, जबकि डेंगू का मच्छर सिर्फ दिन में सक्रिय रहता है। इसलिए दिन के समय मच्छरदानी, रिपेलेंट और पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने जैसी सावधानियां बरतनी चाहिए।

उपायुक्त ने कहा कि मक्खी-मच्छरों की रोकथाम के लिए सबसे कारगर तरीका साफ-सफाई है। अगर हर नागरिक अपने स्तर पर अपने घर और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखे तो मच्छरों के पनपने की संभावना खत्म हो जाती है।